कभी दरिया के भीतर भी समंदर जाग उठता है, मिले सम्मान तो...

राजकमल पैलेस में दैनिक जागरण की ओर से आयोजित हुआ राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

काव्य पाठ करती कवयित्री डा. अनामिका जैन अंबर, साथ में मंचासीन कवि व शायर • जागरण

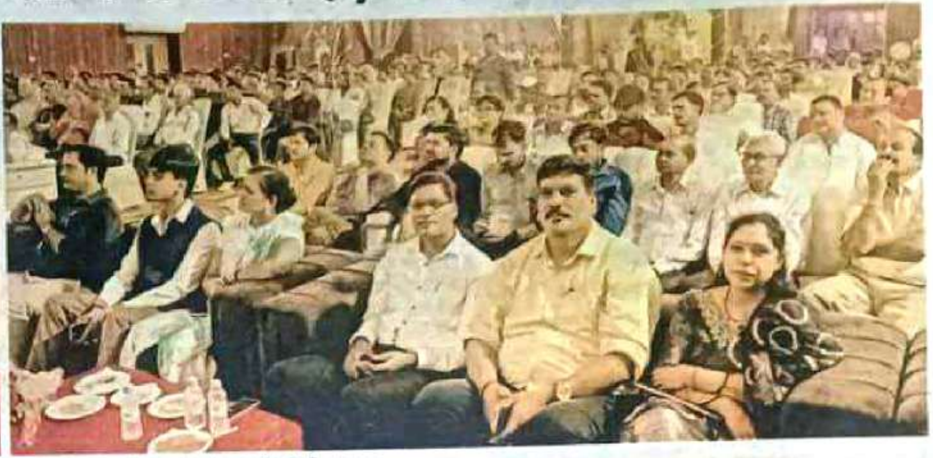
बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमियों की कवि सम्मेलन में रही उपस्थिति • जागरण

दैनिक जागरण
कवि सम्मेलन

संवाददाता, जागरण • बाराबंकी : दैनिक जागरण की ओर से राजकमल पैलेस में आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में कवियों और शायरों ने रचना पाठ किया। गीत, गजल और व्यंग्य से सजी संध्या का श्रोताओं ने आनंद लिया। प्रख्यात कवयित्री अनामिका जैन अंबर के कुशल संचालन और नामचीन कवि और शायरों के गीत, गजल और व्यंग्यों ने अंत तक श्रोताओं को बांधे रखा।

इससे पहले कवि सम्मेलन का शुभारंभ राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा व एसडीएम फतेहपुर राजेश कुमार विश्वकर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कवयित्री श्वेता सिंह ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कवयित्री अनामिका जैन अंबर ने अपने लोकप्रिय गीतों से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने पढ़ा कि कभी दरिया के भीतर भी समंदर जाग उठता है, मिले सम्मान हीरे सा तो पत्थर जाग उठता है, मेरा ईश्वर मेरा अल्लाह मालिक एक है सबका, मेहरबानी हो जो उसकी तो मुकद्दर जाग उठता है। इसके बाद पढ़ा कि मेरे कालेज का एक लड़का जो छिपकर प्रेम देता था, कलम के साज को मेरे नया संगीत देता था। वह पागल था दीवाना था वह भोला था सयाना था हमेशा हार कर मुझे वह जीत लेता था।

पूरे में चाचा है-पूरे में काका है व शहीद के घर का मार्मिक वर्णन करते हुए भावनात्मक कविता भी पढ़ी। शायर मंजर भोपाली ने अपनी प्रसिद्ध गजल जिंदगी के लिए इतना नहीं मांगा करते, मांगने वाले से कासा नहीं मांगा करते पढ़ी तो लोगों ने खूब दाद दी। उन्होंने हमको आता है नहीं राह बनाने का हुनर जैसी गजलों से लोगों के अंतर्मन को छू लिया। हास्य कवि डा. सुरेश अवस्थी ने अपने व्यंग्य की रचनाओं से खूब हंसाया। उन्होंने पढ़ा कि नाम के आगे डाक्टर लिखा देखकर, एक तथाकथित इंस्पेक्टर मेरा माथा खा गया और पूछा-पूछा सी इलाज को आ गया बोला जब से कुर्सी पाई है भूख जाने का नाम ही नहीं ले रही। टीएलसी, ईसीजी सब जांच करा ली कुछ नहीं निकला। मैंने कहा कि एक बार सीबीआइ, ईडी की जांच करा लो सब पता चल जाएगा। कवयित्री श्वेता सिंह ने हृदय द्वार की उसने जैसे खटकाई सांकल, धड़कन-धड़कन उसकी खातिर ही बैठी पागल रचना प्रस्तुत की। हास्य कवि सरदार मनजीत सिंह ने पढ़ा कि नेताजी के पांव से लिपट गया कुंभकरण, नेता बोला गया कहां उल्टी खाते हैं, परम पूज्य आप हैं और कितने हैं मितव्ययी छह मास सोते और एक दिन खाते हैं। कवि प्रख्यात मिश्रा ने पढ़ा कि मेरे पुत्र तू मुझको वचन दे मात्र एक, रणभूमि में देश की लाज को बचाएगा, तो पूर्वजों ने लिखा है जो पुण्य इतिहास, इतिहास लाडले क्या फिर से दोहराएगा। शायर अकबर ताज ने तुम्हारी भूल है कि वह मुझे मिस काल करती है, मेरी चाहत को वह लड़की सदा अनमोल करती है।

आयोजन के सहयोगी : कवि सम्मेलन के सह आयोजक बाराबंकी ट्रैक्टर्स, स्वदेश मिल्क प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, अवध कालेज आफ फार्मेसी कुर्सी बाराबंकी, एमबी कालेज, बालाजी का बचपन, महारानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल इंटर कालेज लखपेड़ाबाग, सिटी सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल, आलापुर सफीपुर मोड़ बाराबंकी, अवाकस लाइफ स्टाइल ब्राइस लिमिटेड, हिंद कैंसर इंस्टीट्यूट एंड सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल सफेदाबाद, बाबा गुरुकुल एकेडमी, सिटी ग्रुप आफ कालेजेस, सफदरगंज बाराबंकी, युगांतर विद्या मंदिर, इसरौली बाराबंकी, सेंट्रल एकेडमी आवास विकास, सेंट एमआर जयपुरिया स्कूल बाराबंकी रहे। यहीं आइकान ब्रदर्स हैदरगढ़ बाराबंकी, आकांक्षा ग्लोबल स्कूल, शहीद भगत सिंह इंटर कालेज सफेदाबाद, गोल्डन ब्लासम इंपोरियम रिसोर्ट्स, एनआर चौधरी हास्पिटल आलापुर मसौली रोड बाराबंकी भी प्रायोजक में शामिल रहे। इसके अलावा नगर पंचायत रामनगर, हैदरगढ़, सुबेहा, बेलहरा, फतेहपुर, टिकैतनगर, देवा, दरियाबाद, रामसनेहीघाट भी सह प्रायोजक रहे।

भारती मलकानी, प्रधानाचार्य सेंट एमआर जयपुरिया स्कूल

काव्य पाठ करते फतेहपुर एसडीएम राजेश विश्वकर्मा

उमेश आहूजा, एमडी गोल्डेन ब्लासम रिसार्ट्स

वारिस अली, प्रबंधक अवध कालेज आफ फार्मेसी

सविता श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य सेंट्रल एकेडमी

इंद्रजीत सिंह एमडी गोल्डेन ब्लासम रिसार्ट्स

राजकिशोर शुक्ला, प्रबंधक महारानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल

सुशील कुमार, सचिव एनआरसीडी हास्पिटल आलापुर

ममता श्रीवास्तव, चेयरपर्सन सिटी ग्रुप आफ कालेजेस

डा. सतीश चंद्र, एमडी सिटी सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल

पीयूष उपाध्याय, प्रबंध निदेशक स्वदेश मिल्क प्रोडक्ट प्रा.लि.

रविंद्र अग्रवाल, प्रोपराइटर आइकान ब्रदर्स हैदरगढ़

उमेश कुमार मिश्र, प्रबंधक शहीद भगत सिंह इंटर कालेज

डा. अमरेंद्र सचान, हिंद कैंसर इंस्टीट्यूट एंड सुपर स्पेशलिटी

पूनम वर्मा, डायरेक्टर आकांक्षा ग्लोबल स्कूल

सूर्यदीप सिंह, प्रबंधक युगांतर विद्या मंदिर इसरौली

काव्य पाठ का आनंद लेते पूर्व मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप व अन्य • जागरण

अंकुर माथुर, प्रबंधक बालाजी का बचपन

सरदार हरपाल सिंह, प्रबंधक बाबा गुरुकुल एकेडमी

दिनेश सिंह, प्रबंधक एमबी कालेज

गुरुप्रसाद गुप्ता, प्रोपराइटर बाराबंकी ट्रैक्टर्स

ये रहे मौजूद

पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप, एडीएम अरुण कुमार सिंह, बौरसर संतोष देव पांडे, प्रदीप जैन, जूनियर शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष अशोक सिंह, पर्यावरण प्रेमी विजय प्रताप सिंह, अभयराज वर्मा, शिक्षक नेता सतीश वर्मा, सुभाष तिवारी, नीरज श्रीवास्तव, सुशील गुप्ता, राजेश अरोड़ा बब्बू, हरजीत गाबा, अरुण गुप्ता, सरदार चरनजीत सिंह, हरपाल सिंह, मोनू त्रिवेदी, रोहित यादव, अनुराग जैन मौजूद रहे।

एसडीएम की कविताओं पर गूंजीं तालियां

एसडीएम फतेहपुर राजेश कुमार विश्वकर्मा ने भी काव्य पाठ किया। उन्होंने पढ़ा कि मेरी सारी बलाओं को वह अपने सिर पर लेती है, निकलता हूं कभी घर से तो माथा चूमती है मां, सुखद अनुभूति होती है और मेरा शीतल हृदय होता, लगाकर सीने से अपने कहीं जब भेजती है मां।

अनुकरणीय प्रयास है कवि सम्मेलन

राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि जागरण की ओर से आयोजित कवि सम्मेलन सौहार्द और हिंदी-उर्दू की साझी विरासत है। कहा कि कवि और शायर समाज और अन्य विधाओं से हमें आईना दिखाते हैं। संचालन राजेंद्र त्रिपाठी ने किया।

कवि सम्मेलन में बोलते राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा • जागरण

बीमा की रकम हड़पने के लिए विवाहिता